दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शनिवार 11 अप्रैल 2020 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-02, अंक- 191

महत्वपूर्ण एवं खास

कोरोना संकट के समय लोगों की सेवा कर रहे कर्मी सच्चे देशभक्तः राहुल

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना संकट के समय लोगों की सेवा में जुटी आशाकर्मियों, नर्सों और आंगनवाड़ी कर्मियों की तारीफ करते हुए शुक्रवार को कहा कि ये लोग सच्चे देशभक्त हैं। उन्होंने एक संदेश में कहा कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में हमारी आशाकर्मी, नर्स और आंगनवाड़ी कर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर साहस और समर्पण भाव से काम कर रही हैं। गांधी ने कहा कि जरूरत की घड़ी में देश की सेवा करना सबसे बड़ी देशभक्ति है। हमारे ये सेवाकर्मी असली देशभक्त हैं जो संकट के समय लोगों को सुरक्षित रखने में लगे हुए हैं। उनके मुताबिक ऐसे माहौल में इन सामुदायिक कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण है, जिसमें दुष्प्रचार और भय कोरोना वायरस से बड़ा खतरा पैदा करता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं आशा करता हूं कि संकट खत्म होने के बाद उनकी बेमिसाल सेवाएं उनके कामकाज के हालात में व्यापक बदलाव में मुख्य भूमिका अदा करेंगी। उन्होंने कहा कि मैं देश की सेवा के लिए हर सेवाकर्मी को सलाम करता हूं और उनकी एवं उनके परिवार की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं।

भारत-ब्राजील साझेदारी पहले से कहीं अधिक मजबूतः मोदी

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और ब्राजील के बीच साझेदारी मौजूदा चुनौतीपूर्ण समय में पहले से कहीं अधिक मजबूत है। प्रधानमंत्री ने ब्राज़ील के राष्ट्रपति जे एम बोल्सोनारो द्वारा किए गए ट्वीट का जवाब देते हुए यह बात कही है। बोल्सोनारो ने हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा की आपूर्ति करने के भारत के फैसले के लिए आभार व्यक्त किया है।

'भारत महामारी से लड़ने मित्रों की हरसंभव मदद करने तैयार'

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत महामारी से लड़ने हेतु अपने मित्रों की मदद करने के लिए, जो कुछ भी संभव है वह करने को तैयार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ट्वीट का जवाब देते हुए यह बात कही है। बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायल को 'क्लोरोक्वीन' की आपूर्ति करने संबंधी भारत के फैसले के लिए अपना आभार व्यक्त किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा, 'हमें आपस में मिलकर इस महामारी से लड़ना है। भारत अपने मित्रों की मदद करने के लिए जो भी संभव है वह करने को तैयार है। मैं इजरायल के लोगों के उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करता हूं।'

जलियांवाला बाग स्मारक 15 जून तक बंद रहेगा

नईदिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्र 13 अप्रैल 2019 से13 अप्रैल 2020 तक जलियांवाला बाग नरसंहार की शताब्दी मना रहा है। वर्तमान में, स्मारक का नवीनीकरण, सुधार किया जा रहा है तथास्मारक स्थल पर संग्रहालय / दीर्घाएं और साउंड एंड लाइट शो स्थापित किया जा रहा है। स्मारक स्थल पर नवीकरण का काम मार्च, 2020 तक पूरा किया जाना था, ताकि इसे 13 अप्रैल की दुर्भाग्यपूर्ण तिथि को जनता द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए खोला जा सके।

एम्प्री की मप्र और छत्तीसगढ़ के 50 गाँवों में कोरोना के खिलाफ मुहिम

» ग्रामीण क्षेत्रों में अलख जगा रही सीएसआईआर प्रयोगशाला

नईदिल्ली (आरएनएस)। अपने अनुसंधान के जरिये समाज की मदद करने वाला वैज्ञानिक समुदाय अब कोविड-19 के प्रकोप को देखते हुए लोगों को जागरूक करने के लिए जमीन पर भी उतर रहा है। इस सामाजिक जिम्मेदारी को निभाते हुए भोपाल स्थित एडवांस्ड मैटेरियल्स ऐंड प्रोसेस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एम्प्री) भी ग्रामीण स्तर पर कोविड-19 के संक्रमण को रोकने की कोशिशों में जुट गया है।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) से संबद्ध एम्प्री ने कोविड-19 के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के 50 गाँवों में कोविड-19 के खिलाफ मुहिम छेड़ दी है। संस्थान ने जागरूकता के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ फेस मास्क जैसे निजी सुरक्षा उपकरणों और कीटाणुनाशक साबुन के वितरण बीड़ा उठाया है। एम्प्री की इस पहल से कोविड-19 के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को ग्रामीण स्तर पर तेज करने की सीएसआईआर की कोशिशों को बल मिल सकता है।

इन दोनों राज्यों में स्थित एम्प्री सीएसआईआर की एकमात्र प्रयोगशाला है। मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में जागरूकता का प्रसार और निजी सुरक्षा उपकरणों का वितरण दो चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में मध्यप्रदेश के भोपाल और सीहोर जिलों के गाँवों में यह अभियान शुरू किया गया है। जिन स्थानों पर इस मुहिम की शुरुआत की गई है, उनमें भोपाल का बेरसिया, शाहपुर, रतातल, करसर, बरखेड़ी हज़ाम एवं खजुरी शामिल हैं। सीहोर ब्लॉक का भुखेड़ी, खेरी, अल्हा, निपानिया तथा मोहेडिया गाँव और आष्टा ब्लॉक के खजुरियाकसम, नीलबड, अरोलियापर, सेवदा, दरखेड़ा तिगरिया, अरनियागाजी और कर्मनखेड़ी भी इस मुहिम में शामिल हैं।

इस पहल के अंतर्गत संस्थान की ओर से पुलिस और स्थानीय लोगों में कोरोना के बारे में जानकारी बढ़ाने के लिए पोस्टर के साथ-साथ फेस मास्क जैसी निजी सुरक्षा सामग्री वितरित की जा रही है। सीएसआईआर-एम्प्री के निदेशक डॉ. अवनीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस अभियान में कोरोना वायरस के संक्रमण के बारे में ग्रामीण लोगों में जागरूकता पैदा करना, स्वच्छता, हाथ धोने, अफवाहों को फैलने से रोकने और सतर्कता बरतने के बारे में जानकारी दी जा रही है। इसके लिए हिंदी भाषा में प्रचार सामग्री के रूप में पर्चे और पोस्टर तैयार किए गए हैं। हम ग्रामीणों की मदद के लिए इस पहल का दायरा बढ़ाने के लिए भी योजना बना रहे हैं।

डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर लगभग 15 गाँवों में यह अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के दूसरे चरण में छत्तीसगढ़ के गाँवों में भी इसी तरह कार्य किया जाएगा।

एफसीआई ने की 2.16 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न की आपूर्ति

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को निर्देश दिया है कि उन सभी गरीब लाभार्थियों को 3 महीने तक 5 किलोग्राम प्रति व्यक्ति प्रति माह खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए जो एनएफएसए के दायरे में नहीं आते लेकिन राज्य सरकारों द्वारा उनकी योजनाओं के तहत राशन कार्ड जारी किए गए हैं। निर्देश में कहा गया है कि देश भर में सभी लाभार्थियों को समान रूप से 21 रुपये प्रति किलोग्राम दर पर गेहूं और 22 रुपये प्रति किलोग्राम दर पर चावल उपलब्ध कराया जाए। राज्यों को जून 2020 तक 3 महीने में स्टॉक को एक ही बार या मासिक आधार पर उठाने का विकल्प दिया गया है।

सरकार ने राहत कार्यों में शामिल गैर सरकारी संगठनों/ धर्मार्थ संगठनों की मदद करने के लिए उन्हें 21 रुपये प्रति किलोग्राम दर पर गेहूं और 22 रुपये प्रति किलोग्राम दर पर चावल उपलब्ध कराने के लिए एफसीआई को निर्देश दिए हैं। निर्देश में कहा गया है कि देश भर में काम करने वाले ऐसे सभी गैर सरकारी संगठनों/ धर्मार्थ संगठनों को समान रूप से इन दरों पर गेहूं और चावल उपलब्ध कराया जाए जिसके लिए कोई ऊपरी सीमा नहीं होगी। इन निर्देशों से देश में खाद्यान्नकी आपूर्ति की स्थिति पर एक उल्लेखनीय प्रभाव पड़ने की उम्मीद हैताकि यह सुनिश्चित हो सके कि समाज के हर वर्ग को कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान उचित मूल्य पर पर्याप्त खाद्यान्न मिल सके।एफसीआई द्वारा देश भर में खाद्यान्न स्टॉक को स्थानांतरित करने के लिए किए जा रहे व्यापक कार्यक्रम के तहत 5.3 लाख उचित मूल्य की दुकानों (एफपीएस) के माध्यम से 81 करोड़ से अधिक लोगों को कवर करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य सुरक्षा प्रणाली को चलाने के लिए एक कीर्तिमान स्थापित किया गया था।

कोरोना के चलते हुए लॉकडाउन में सम्मेलन-समारोह की नहीं होगी अनुमति

नईदिल्ली (आरएनएस)। अप्रैल, 2020 में अनेक त्योहारों के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 'कोविड-19' से लड़ने के लिए किए गए लॉकडाउन के उपायों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने और किसी भी सामाजिक/धार्मिक सम्मेलन/समारोह को अनुमति न देने का निर्देश दिया है। लॉकडाउन के उपायों पर जारी समेकित दिशा-निर्देशों में उल्लिखित विशिष्ट पाबंदियों के बारे में जिलों के अधिकारियों और फील्ड एजेंसियों को सूचित कर दिया गया है। इसके साथ ही यह भी सूचित किया गया है कि उन्हें कानून-व्यवस्था, अमन और सार्वजनिक शांति बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक एहतियाती/निवारक उपाय करने चाहिए। इन निर्देशों में यह भी कहा गया है कि किसी भी आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार को अंकुश में रखने के लिए सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी जानी चाहिए।

इन निर्देशों के अंतर्गत यह अनुरोध किया गया है कि सार्वजनिक प्राधिकरणों, सामाजिक/धार्मिक संगठनों और नागरिकों के ध्यानार्थ लाने के लिए दिशा-निर्देशों के संबंधित प्रावधानों का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए। इन निर्देशों में यह भी कहा गया है कि किसी भी लॉकडाउन उपाय का उल्लंघन होने की स्थिति में कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 और आईपीसी के संबंधित दंडात्मक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। देश में कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों और राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों के प्राधिकरणों द्वारा किए जाने वाले लॉकडाउन उपायों पर समेकित दिशा-निर्देश गृह मंत्रालय द्वारा 24 मार्च 2020 को अधिसूचित किए गए थे।

भारत में कोरोना फैलाने नेपाल से पहुंचे 40 से 50 साजिशकर्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। नेपाल में रहने वाला एक अवैध हथियारों का तस्कर भारत में कोरोना महामारी फैलाने की साजिश रच रहा है। जालिम मुखिया नाम का ये शख्स हथियारों का तस्कर है और भारत में कोरोना महामारी फैलाने के लिए इसने 40 से 50 कोरोना संदिग्धों को भारत भेजा है।

जालिम मुखिया की इस हरकत को लेकर और कोरोना संदिग्धों के नेपाल से भारत आने की गतिविधियों के बारे में बेतिया के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट और एसपी को अलर्ट कर दिया गया है। उन्हें 47वीं वाहिनी बटालियन सीमा सुरक्षा बल पनटोका, रामगढ़वा के कमांडेंट ने अलर्ट रहने को कहा है। जानकारी के मुताबिक एसएसबी ने इस हरकत का मुख्य साजिशकर्ता जालिम मुखिया को ही बताया है। जालिम मुखिया भारत में नेपाल से अवैध हथियार की सप्लाई और एफआईसीएन की तस्करी में शामिल बताया जा रहा है। इस सूचना के साथ ही भारत-नेपाल सीमा पर अलर्ट रहने के लिए भी कहा गया है। भारत-नेपाल सीमा से लगे सात जिलों के स्कने अपने थानेदारों को पत्र लिखकर कहा है कि नेपाल के रास्ते होकर आने वाले गुप्त रास्तों के पता लगाएं। एसएसबी ने 3 अप्रैल को पत्र लिखा और उसके तीन दिन बाद बिहार पुलिस ने भी एक पत्र जारी किया है। इस पत्र के माध्यम से नेपाल सीमा से लगे जिलों के पुलिस प्रमुखों ने अपने थानेदारों नको चौकस रहने को कहा है। खासकर एसपी ने ये कहा है कि उन गुप्त रास्तों का पता लगाएं जहां से नेपाल से चोरी छिपे आना-जाना हो सकता है। जानकारी के मुताबिक जालिम मुखिया को जालिम मियां के नाम से भी जाना जाता है। जालिम मुखिया बिहार नेपाल सीमा पर स्थित नेपाल के पर्सा जिले के जगरनाथपुर गांवपालिका का मेयर है। जालिम नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) का स्थानीय नेता है।एसएसबी के पत्र के बाद बिहार पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे ने कहा कि पुलिस ये गारंटी नहीं ले सकती कि नेपाल सीमा सील है बावजूद इसके कोई नहीं प्रवेश कर सकता। गुप्तेश्वर पांडे ने कहा कि एसएसबी के पत्र के बाद से ही पुलिस हर संभव करवाई कर रही है।

रेल ने देश के सभी हिस्सों में आवश्यक वस्तुओं को पहुंचाना जारी रखा

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे अपनी मालवाहक सेवाओं के जरिये राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति जारी रखे हुए है ताकि देश में कोविड-19 की चुनौतियों और उसके प्रतिकूल प्रभाव के प्रबंधन में सरकार के प्रयासों को मजबूत किया जा सके। केन्द्र सरकार यह सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान केन्द्रित कर रही है कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखा जाए, इसके अलावा यह भी सुनिश्चित किया जाए कृषि उपज राज्य के भीतर और दूसरे राज्य में बिना किसी बाधा के पहुंच जाए।

रेलवे ने23 मार्च 2020 के बाद से लगभग 6.75 लाख वैगनों में सामान पहुंचाया है। इसमें खाद्यान्न, नमक, चीनी, खाद्य तेल, कोयला और पेट्रोलियम उत्पादों जैसे आवश्यक वस्तुओं के लगभग 4.50 लाख वैगन शामिल हैं। 2 अप्रैल से 8 अप्रैल 2020 के सप्ताह के दौरान, रेलवे ने कुल 258503 वैगनों में सामान पहुंचाया, जिनमें से 155512वैगनों में आवश्यक वस्तुएं थीं। इसमें 21247वैगनों में खाद्यान्न, 11336वैगनों में उर्वरक, 124759वैगनों में कोयला और 7665वैगनों में पेट्रोलियम उत्पाद शामिल हैं। इस बात को याद किया जा सकता है कि केन्द्र सरकार ने कोविड-19 महामारी के प्रकोप पर 21 दिन के लॉकडाउन के दौरान कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए छूट और ढील प्रदान की है ताकि किसानों को किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति का सामना न करना पड़े। इस बीच, रसायन और उर्वरक मंत्रालय का उर्वरक विभाग आगामी खरीफ मौसम के लिए उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। उर्वरक विभाग उर्वरकों के उत्पादन, आंदोलन और उपलब्धता की बारीकी से निगरानी कर रहा है और राज्य सरकारों और रेल मंत्रालय के साथ नियमित संपर्क में है। कोविड-19 लॉकडाउन के बीच रेलवे भारतीय खाद्य निगम के साथ मिलकर काम कर रहा है और उसने 24 मार्च से देश भर में 20 लाख मीट्रिक टन से अधिक अनाज ले जाने वाले 800 से अधिक रेक पहुंचाए हैं। एफसीआई ज्यादातर रेल द्वारा पूरे देश में गेहूं और चावल की आपूर्ति की गति बढ़ाकर खाद्यान्न की बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम हुआ है।

रेलवे ने खराब होने वाले बागवानी उत्पादों, बीज, दूध और डेयरी उत्पादों सहित आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए समय सारणी के अनुसार चलने वाली 109 पार्सल ट्रेनें भी शुरू की हैं। लॉकडाउन की शुरुआत होने के बाद से पार्सल विशेष ट्रेनों के लगभग 59 मार्गों (109 ट्रेनों) को अधिसूचित किया गया है। इसके साथ, भारत के लगभग सभी महत्वपूर्ण शहर तेज गति से आवश्यक और खराब होने वाले सामानों को पहुंचाने के लिए जुड़ जाएंगे। इन सेवाओं को आवश्यकता के अनुसार और बढ़ाए जाने की उम्मीद है।

आपदा प्रबंधन कानून के तहत अपने आदेशों के साथ गृह मंत्रालय (एमएचए) ने खाद्य पदार्थों, दवाओं और चिकित्सा उपकरणों जैसे आवश्यक सामानों के संबंध में निर्माण / उत्पादन, परिवहन और अन्य संबंधित आपूर्ति-श्रृंखला गतिविधियों की अनुमति दे रखी है।

सड़क पर गिरे 2-2 हजार के नोट देखते ही फैली कोरोना की अफवाह

नईदिल्ली (आरएनएस)। राजधानी के बुध विहार इलाके में गुरुवार को एक चौंकाने वाली घटना हुई. यहां पर सड़क पर दो-दो हजार के कई नोट बिखरे दिखाई देने के बाद लोगों में अफरा-तफरी मच गई. किसी ने ये अफवाह फैला दी कि नोटों को कोरोना (कोरोना) संक्रमित कर सड़क पर फेंका गया है. इसके बाद लोगों ने नोटों को हाथ नहीं लगाया और उस इलाके से सभी लोग दूर हट गए. बाद में किसी ने फोन कर पुलिस को सूचना दी.

रिपोर्ट के अनुसार नोटों को देख किसी ने कह दिया कि ये नोट कोरोना संक्रमित व्यक्ति ने थूक लगा कर फेंक दिए हैं. लोगों का कहना था कि कोरोना को फैलाने के लिए किसी ने ये साजिश की है. इसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया. लोगों ने नोटों से दूरी बना ली और वहां से सभी लोग हट गए. इसके बाद सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने नोटों को सीधे नहीं उठाया. पहले नोटों पर ईंट रख दी गई. बाद में नोटों के मालिक की तलाश की गई.

मरकज से लौटे 2 जमातियों सहित 5 नए केस आए सामने

» एशिया के सबसे बड़े स्लम एरिया में कोरोना का कहर

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ता जा रही है। अब यहां कोरोना केसों की संख्या 1364 हो गई है। जबकि 98 लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। चिंता की बात ये है कि मुंबई के सबसे बड़े स्लम एरिया धारावी में लगातार कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। शुक्रवार को भी धारावी में कोरोना के 5 नए मरीज मिले हैं। अब तक धारावी से कोरोना के 22 मामले मिल चुके हैं। जांच में पता चला है कि आज मिले केस में से 2 ने दिल्ली की तब्लीगी जमात में शिरकत की थी।

एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी-बस्ती वाले इलाके धारावी में लाखों की संख्या में लोग रहते हैं। हजारों झुग्गी झोपड़ियों की घनी बस्ती वाले धारावी एरिया में 5 नए केस के साथ कुल आंकड़ा 22 पहुंच गया है, जिसमें से दो की मौत हो चुकी है। गुरुवार को यहां 70 साल की एक महिला ने दम तोड़ दिया था। उससे पहले 56 वर्षीय व्यक्ति की मौत हुई थी। यह व्यक्ति तबलीगी जमात के कार्यक्रम से लौटे लोगों के संपर्क में आया था।

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि धारावी में कोरोना वायरस के 5 नए मरीज सामने आए हैं। इन 5 में से 2 मरीज ऐसे हैं, जो दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज में आयोजित तबलीगी जमाक के कार्यक्रम में हिस्सा लेकर लौटे थे। बीएमसी ने बताया कि यह लोग पहले ही राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में क्वारेंटिन किए गए थे। अब उन्हें एक हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया है। बीएमसी अधिकारियों के मुताबिक दोनों जमातियों में से एक धारावी के डॉक्टर बालिगा नगर का निवासी है, जबकि दूसरा पीएमजीपी कॉलोनी का है। वहीं नए सामने आए पांच केस में से दो महिलाएं हैं।

भारत में हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्विन टैबलेट का पर्याप्त भंडार

» 24 घंटे में आए कोरोना के 896 नए केस, 37 लोगों की मौत

» देश में अब तक 206 मौतें हुई, सरकार लगातार निगरानी करने में जुटी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने आज कोरोना महामारी पर देश का बुलेटिन जारी करते हुए कहा कि भारत के पास हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्विन टैबलेट की प्रयाप्त उपलब्धता है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारत ने पहले अपनी उपयोगिता को सुनिश्चित कर लिया है, इसके बाद ही विदेशों के लिए इसका निर्यात किया गया।

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि भारत के पास हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्विन की 3.28 करोड़ टैबलेट का स्टॉक है। हमें अपने लिए करीब एक करोड़ की आवश्यकता है। उनसे पहले विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्विन के लिए विदेशों से हमारे पास काफी डिमांड आई है। अपने स्टॉक और जरूरत को ध्यान में रखकर हमनें कई देशों को इसकी आपूर्ति भी की है। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि

भारत में हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्विन दवा का पर्याप्त भंडार है और घरेलू बाजार में इस दवा की कमी नहीं हो यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्विन को कोरोना वायरस के संक्रमण का इलाज करने में महत्वपूर्ण व उपयोगी बताया जा रहा है। सामान्य तौर पर मलेरिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली इस दवा का सबसे बड़ा उत्पादक भारत है। वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण का पता लगाने के लिए नमूनों की जांच 146 सरकारी प्रयोगशालाओं में की जा रही है, जबकि 67 प्राइवेट लैब को जांच करने की अनुमति दी जा चुकी है।

कोरोना के मरीजों की संख्या 6039 पहुंची- स्वास्थ्य मंत्रालय के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में कहा कि देश में कोविड-19 संक्रमण के चलते 206 मौतें हुई हैं और वर्तमान में कुल 6,039 व्यक्ति महामारी से संक्रमित हैं। वहीं, पिछले 24 घंटे में कोरोना के 896 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 37 लोगों को इस वायरस की वजह से अपनी जान गंवानी पड़ी है और 516 (1 माइग्रेटेड) मरीज अब तक इस बीमारी से ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय ने ने कहा कि महाराष्ट्र में सबसे अधिक 97 मौतें हुई हैं और वहीं, गुजरात में संक्रमण के चलते 17 लोगों की जान गई है। अब तक उपचार के बाद पूर्ण रूप से स्वस्थ हुए 515 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। देश के 27 राज्य और सभी केंद्र शासित प्रदेशों में से कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे अधिक मामले 1,364 महाराष्ट्र से ही आए हैं।